आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 22.02.2026 समय : 0705

<><><><><><><><>

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज सुबह ग्यारह बजे आकाशवाणी पर मन की बात की एक सौ इक्कतीसवीं कड़ी में देश–विदेश के नागरिकों के साथ अपने विचार साझा करेंगे।
- इंडिया ए आई इम्पैक्ट समिट में नई दिल्ली घोषणा पत्र स्वीकृत हुआ। अट्ठासी देशों ने ए आई सहयोग पर वैश्विक सहमति जताई।
- समुद्री मत्स्य क्षेत्र मे एक नए युग की शुरूआत–तेरह तटीय राज्यों के लिए ई ई जेड एक्सेस पास योजना शुरू हुई। केन्द्रीय बजट दो हजार पच्चीस–छब्बीस में अंडमान निकोबार पर विशेष ध्यान दिया गया।
- अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में मतदाताओं वाली अंतिम निर्वाचक नामावली प्रकाशित की गई–पांच हजार से ज्यादा अपात्रों के नाम हटाए गए।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज सवेरे ग्यारह बजे आकाशवाणी से 'मन की बात' कार्यक्रम में देश–विदेश के लोगों से अपने विचार साझा करेंगे। यह मासिक रेडियो कार्यक्रम की एक सौ इक्कतीसवीं कड़ी होगी। कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी और दूरदर्शन के समूचे नेटवर्क, आकाशवाणी समाचार वेबसाइट और न्यूज़ऑनएयर मोबाइल ऐप पर किया जाएगा। इसका सीधा प्रसारण एआईआर न्यूज़, डीडी न्यूज़, प्रधानमंत्री कार्यालय तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय के यूट्यूब चैनलों पर भी होगा।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में 'इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड' की वर्चुअल माध्यम से आधारशिला रखी। यह यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में एचसीएल–फॉक्सकॉन की संयुक्त विनिर्माण इकाई है। श्री मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एचसीएल–फॉक्सकॉन विनिर्माण इकाई की स्थापना तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह गर्व का विषय है कि उत्तर प्रदेश भी भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दशक भारत का टेक्नोलॉजी दशक है।

<><><><><><><>

इंडिया एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन में नई दिल्ली घोषणापत्र स्वीकार कर लिया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वैश्विक सहयोग में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अट्ठासी देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने इसका समर्थन किया है। यह घोषणा पत्र आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण के लिए एआई का लाभ उठाने पर व्यापक वैश्विक सहमति दर्शाता है। "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" के सिद्धांत से प्रेरित इस घोषणापत्र में एआई के लाभ मानवता के सभी वर्गों तक समान रूप से पहुंचाने पर बल दिया गया है। इंडिया एआई इम्पैक्ट प्रदर्शनी कल नई दिल्ली में संपन्न हो गई। इस प्रदर्शनी में पांच लाख से अधिक आगंतुक शामिल हुए और कार्यशालाओं का प्रदर्शन करते हुए चर्चाओं में भाग लिया।

<><><><><><><>

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कल नई दिल्ली में 'अटल बिहारी वाजपेयीः द इटरनल स्टेट्समैन' नामक पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर उन्होंने कहा कि यह पुस्तक भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को एक श्रद्धांजलि है। श्री राधाकृष्णन ने कहा कि यह प्रकाशन मात्र तस्वीरों का संग्रह नहीं है, बल्कि अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और विरासत का उत्सव है, जो राष्ट्र को प्रेरित करती है। श्री वाजपेयी के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को याद करते हुए, श्री राधाकृष्णन ने कहा कि उन्हें वाजपेयी के प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान लोकसभा सदस्य के रूप में सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था।

<><><><><><><>

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी तथा पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने तेरह तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए पिछले दिनों इस पहल की शुरुआत की। उन्होंने चौबीस मत्स्य सहकारी समितियों का प्रतिनिधित्व करने वाले सैंतीस मछुआरों को पास वितरित किए। देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र में मछली पकड़ने के लिए एक्सेस पास का राष्ट्रीय शुभारंभ समुद्री मत्स्य क्षेत्र के लिए नए युग की शुरुआत माना जा रहा है। भारत के पास ग्यारह हजार निन्यानब्बे किमी लंबी तटरेखा और लगभग चौबीस लाख वर्ग किमी का ई ई जेड है, लेकिन वर्तमान में मछली पकड़ना चालीस–पचास समुद्री मील तक सीमित है।

बारह से दो सौ समुद्री मील तक फैले क्षेत्र में टूना जैसी उच्च मूल्य प्रजातियों की पर्याप्त संभावनाएं हैं। केंद्रीय बजट दो हजार पच्चीस–छब्बीस में अंडमान–निकोबार और लक्षद्वीप पर विशेष जोर देते हुए ई ई जेड के सतत उपयोग का प्रावधान किया गया। पिछले वर्ष चार नवंबर को अधिसूचित नियमों के तहत मशीनीकृत और चौबीस मीटर से बड़े मोटर चालित जहाजों के लिए एक्सेस पास अनिवार्य किया गया है। री ए एल सी राफ्ट पोर्टल के माध्यम से यह पास निःशुल्क और पूरी तरह ऑनलाइन जारी होगा। यह एमपेडा और ई आई सी से एकीकृत है, जिससे निर्यात, ट्रैसेबिलिटी और गुणवत्ता प्रमाणन को बढ़ावा मिलेगा। सरकार ट्रांसपोंडर स्थापना, बीमा और आजीविका सहायता जैसी योजनाओं से भी मछुआरों की सुरक्षा और आय सुदृढ़ कर रही है।

<><><><><><><>

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अंडमान निकोबार द्वीप समूह में विशेष गहन पुनरीक्षण दो हजार छब्बीस की प्रक्रिया पूर्ण कर कल अंतिम निर्वाचक नामावली प्रकाशित कर दी गई है। पुनरीक्षण के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर–घर जाकर सौ प्रतिशत भौतिक सत्यापन किया गया। इस प्रक्रिया में मृत, स्थायी रूप से अन्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थानांतरित तथा दोहरी प्रविष्टियों वाले मतदाताओं को सूची से हटाया गया। प्रारूप नामावली पिछले वर्ष तेइस दिसम्बर को प्रकाशित की गई थी। इसके बाद दावे एवं आपत्तियों की अवधि तेईस दिसंबर 2025 से बाईस जनवरी 2026 तक चली, जिसमें कुल सोलह हजार नौ सौ उन्नीस नए मतदाताओं को जोड़ा गया तथा पांच हजार दौ सौ उनहत्तर अपात्र नाम हटाए गए। अंतिम प्रकाशित नामावली के अनुसार कुल मतदाताओं की संख्या दो लाख अठावन हजार चालीस हो गई है। इनमें पुरुष मतदाता एक लाख तीस हजार चार सौ पन्द्रह, महिला मतदाता एक लाख सत्ताइस हजार छ सौ बाइस तथा अन्य वर्ग के तीन मतदाता शामिल हैं। अट्ठारह से उन्नीस आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या चार हजार सत्तर है, जबकि दो हजार दो सौ बावन दिव्यांग एवं छ सौ उनासी वरिष्ठ नागरिक मतदाता पंजीकृत हैं। निर्वाचन विभाग ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे अपने नामों का सत्यापन कर लें तथा आवश्यकता होने पर फार्म–6 (नाम जोड़ने), फार्म–8 (संशोधन) अथवा फार्म–7 (नाम विलोपन) के माध्यम से आवेदन करें। सहायता के लिए संबंधित बीएलओ या मतदाता हेल्पलाइन नंबर एक नौ पांच शून्य पर संपर्क किया जा सकता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पारदर्शी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने के लिए व्यापक अभियान चलाया गया है, जिससे आगामी चुनावों के लिए सटीक एवं अद्यतन नामावली सुनिश्चित हो सके।

<><><><><><><>

केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान कृषि विज्ञान केंद्रों के सहयोग से सत्ताईस और अट्ठाईस फरवरी को द्वीप किसान मेला का आयोजन करने जा रहा है। यह दो दिवसीय मेला गाराचरमा स्थित क्यारी परिसर में सुबह नौ बजे से शाम छः बजे तक आयोजित होगा। इस मेले का उद्देश्य द्वीप पारिस्थितिकी तंत्र के अनुकूल टिकाऊ और जलवायु–लचीली फसल, पशुधन और मत्स्य पालन प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना है। मेले के दौरान किसानों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। साथ ही पुरूष एवं महिला कृषक, स्वयं सहायता समूह, स्टार्टअप्स और छात्र क्यारी के वैज्ञानिकों के साथ संवाद कर सकते हैं। मेले में उन्नत फसल किस्में, एकीकृत कृषि प्रणाली, जलीय कृषि, वैज्ञानिक पशुधन प्रबंधन, बागवानी तकनीक, कटाई के बाद प्रसंस्करण और बाजार संपर्क पर भी जोर दिया जाएगा।

<><><><><><><>